विचार बिन्दु

तुम ये कभी मत सोचो कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना तो सबसे बड़ा अधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य लोग निर्बल हैं। –स्वामी विवेकानंद

वायु प्रदूषण : हर सांस के साथ बढ़ रहा है खतरा

देश की सर्वोच्च अदालत ने वायु प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर गंभीर सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस समस्या पर चुप नहीं रहा जा सकता और केंद्र सरकार से इस संबंध में प्रभावी एक्शन प्लान मांगा गया है। सर्वोच्च अदालत ने साफ कर दिया कि हवा की गुणवत्ता की समस्या गंभीर है और इसे तुरंत हल करने की दिशा में ऐसे कदम उठाने चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी कहा कि प्रदूषण के मामले पर नियमित सुनवाई होनी चाहिए। वायु प्रदूषण आज एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। यह मानव के साथ-साथ पशु-पक्षी और पौधों तक के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से आहत कर रहा है। प्रदूषण हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा है, जो कि जल, वायु और भूमि को प्रभावित करता है। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। वायु, जल, भूमि, पेड़-पौधे और जीव-जंतु - सब मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं। जब इन प्राकृतिक तत्त्वों का संतुलन बिगड़ता है, तो उसे पर्यावरण प्रदूषण कहा जाता है। आज के समय में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक के मुताबिक, वायु प्रदूषण दुनिया के सबसे बड़े हेल्थ रिस्क में से एक है। इसकी वजह से हर साल दुनिया में करीब 67 लाख लोग समय से पहले मौत का शिकार होते हैं। हमारे देश भारत की बात करे तो वायु प्रदूषण की समस्या अत्यधिक गंभीर हो गई है। शहरों में वायु की गुणवत्ता या एक्यूआइ बहुत खराब या गंभीर है। एक्यूआइ यानि एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा की क्वालिटी को बताने वाला एक स्कोर है, जो यह समझने में मदद करता है कि हमारे आसपास की हवा साफ है या प्रदूषित। एक्यूआइ में हवा में मौजूद प्रदूषकों का स्तर मापा जाता है। एक्यूआइ जितना बढ़ता है हवा उतनी ही ज्यादा खतरनाक मानी जाती है। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली सहित बहुत से शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों के रूप में सबसे पहले स्थान पर हैं, जहाँ पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक ऊंचा है, और जो प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी मामलो में योगदान देता है। आईक्यूएयर की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर्यावरण प्रदूषण के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है और विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के मुताबिक दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरो में से 42 शहर भारत के हैं। हर साल दिल्ली में होने वाली मौतों में से करीब 11.5 प्रतिशत प्रदूषण के कारण होती हैं। भारत की लगभग पूरी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती, जहां वायु गुणवत्ता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों से अधिक हैं। भारत में अत्यधिक वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है और जीवन प्रत्याशा में भी कमी आई है।

प्रदूषण आज दुनियाभर में चिंता का विषय है। यह केवल भारत के लिए ही नहीं है बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है जो कई तरह के प्रदूषणों से पीड़ित है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और अन्य, लाखों लोगों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। भारत दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में दूसरे स्थान पर है। प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और औसतन एक भारतीय की जीवन प्रत्याशा को 5.3 साल तक कम कर देता है। प्रदूषण का अर्थ है हमारे आस पास का परिवेश गन्दा होना और प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना। प्रदूषण कई प्रकार का होता है जिनमें वायु, जल और ध्वनि-प्रदूषण मुख्य है। पर्यावरण के नष्ट होने और औद्योगीकरण के कारण प्रदूषण की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है जिसके फलस्वरूप मानव जीवन दूभर हो गया है। महानगरों में वायु प्रदूषण अधिक फैला है। वहां चौबीसों घंटे कल-कारखानों और वाहनों का विषैला धुआं इस तरह फैल गया है कि स्वस्थ वायु में सांस लेना दूभर हो गया है। यह समस्या वहां अधिक होती हैं जहां सघन आबादी होती है और वृक्षों का अभाव होता है। कल-कारखानों का दूषित जल नदी-नालों में मिलकर भयंकर जल-प्रदूषण पैदा करता है। बाढ़ के समय तो कारखानों का दुर्गंधित जल सब नाली-नालों में घुल मिल जाता है। इससे अनेक बीमारियां पैदा होती है। इसी भांति ध्वनि-प्रदूषण ने शांत वातावरण को अशांत कर दिया है। कल-कारखानों और यातायात का कानफाड़ू शोर, मोटर-गाड़ियों की चिल्ल-पों, लाउड स्पीकरों की कर्णभेदक ध्वनि ने बहरेपन और तनाव को जन्म दिया है। हमने प्रगति की दौड़ में मिसाल कायम की है मगर पर्यावरण का कभी ध्यान नहीं रखा जिसके फलस्वरूप पेड़ पौधों से लेकर नदी तालाब और वायुमण्डल प्रदूषित हुआ है और मनुष्य का सांस लेना भी दुर्लभ हो गया है। इसके अलावा वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने भी पर्यावरण को बहुत अधिक क्षति पहुंचाई है। विश्व में हर साल एक करोड़ हैक्टेयर से अधिक वन काटा जाता है। भारत में 10 लाख हैक्टेयर वन प्रतिवर्ष काटा जा रहा है। वनों के कटने से वन्यजीव भी लुप्त होते जा रहे हैं। वनों के क्षेत्रफल के नष्ट हो जाने से रेगिस्तान के विस्तार में मदद मिल रही है। प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय-समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। पर्यावरण स्वास्थ्य का तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र की भौतिक, रासायनिक, जैविक और सांस्कृतिक स्थिति से है। खराब वायु गुणवत्ता, पारिस्थितिक विविधता का नुकसान, रासायनिक असंतुलन आदि जैसे पहलू किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पर्यावरण की चुनौती इनमें सबसे बड़ी है। मानव के सुखमय जीवन को व्यतीत करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा पर्यावरण साफ-सुथरा हो। विज्ञान ने जैसे-जैसे प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण की चुनौती हमारे सामने आ खड़ी हुई है। पर्यावरण प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। पेड़-पौधे, मानव, पशु-पक्षी सभी उसकी चपेट में है। कलकारखानों से निकलने वाला उत्सर्जन, पेड़ पौधों की कटाई, वायु प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है।

मानव जीवन के लिये पर्यावरण का अनुकूल और संतुलित होना बहुत जरूरी है। पर्यावरण के प्रदूषित होने से हमारे स्वस्थ जीवन में कांटे पैदा हो गए है। विभिन्न असाध्य बीमारियों ने हमें असमय अंधे कुए की ओर धकेल दिया है जिसमें गिरना तो आसान है मगर निकलना भारी मुश्किल। यदि हमने अभी से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाला मानव जीवन अंधकारमय हो जायेगा। यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने आस-पड़ौस के पर्यावरण को साफ-सुथरा रखकर पर्यावरण को संरक्षित करे तभी हमारे सुखमय जीवन को सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सकता है। यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पर्यावरण की चुनौती इनमें सबसे बड़ी है। मानव के सुखमय जीवन को व्यतीत करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा पर्यावरण साफ सुथरा हो। विज्ञान ने जैसे-जैसे प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण की चुनौती हमारे सामने आ खड़ी हुई है। पर्यावरण प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। पेड़-पौधे, मानव, पशु-पक्षी सभी उसकी चपेट में है। कलकारखानों से निकलने वाला उत्सर्जन, पेड़ पौधों की कटाई, वायु प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राजस्थान की दुग्ध क्रांति : बढ़ती क्षमता, सशक्त किसान और बदलता ग्रामीण परिदृश्य

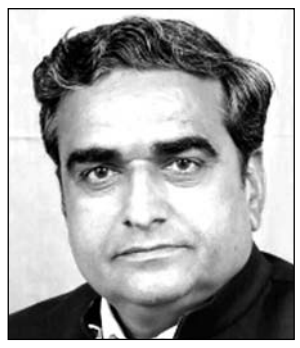

लालचंद कटारिया

राजस्थान अब भारत के दुग्ध मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र को दी गई प्राथमिकताओं, नीतिगत सुधारों और सहकारी तंत्र में आए बदलावों ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। राज्य में दुग्ध उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग क्षमता, पशुधन स्वास्थ्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने तक हर स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

राजस्थान आज भारत का दूसरा सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य है। दूध का बढ़ता उत्पादन न केवल कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि ग्रामीण परिवारों की समृद्धि का संकेत भी है। राज्य में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1,171 ग्राम प्रतिदिन है, जो राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है।

दुग्ध और पशु आहार क्षेत्र का वार्षिक टर्नओवर उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। जहां यह पहले 8,000 करोड़ रुपये था, वहीं अब बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष हो गया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि राजस्थान का डेयरी क्षेत्र निवेश, उत्पादन और बाजार की दृष्टि से तेजी से विस्तारित हो रहा है।

राज्य की डेयरी इंडस्ट्री ने पिछले वर्ष 46ज्ञ की रिकॉर्ड मुनाफा वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले 47 वर्षों में सबसे बड़ी वृद्धि है। राज्य की 24 दुग्ध संघों में से लंबे समय से घाटे में चल रहे 15 दुग्ध संघ अब लाभ की स्थिति में पहुँच चुके हैं। यह परिवर्तन नीतिगत सुधारों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते विश्वास, तकनीकी सुधार और किसानों के संगठित प्रयास का प्रतिफल भी है।

राजस्थान की दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ी है। पहले राज्य की क्षमता 48 लाख लीटर प्रतिदिन थी। अब इसे बढ़ाकर 52 लाख लीटर प्रतिदिन किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष के अंत तक इसे 65 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। इससे बढ़ते उत्पादन को सुव्यवस्थित रूप से संभालने और कोल्ड चेन को मजबूत बनाने के साथ ही किसान को समय पर उचित मूल्य भी मिल पायेगा।

डेयरी क्षेत्र में सहकारिता सबसे बड़ी शक्ति है। पिछले एक वर्ष में सहकारी तंत्र को अभूतपूर्व मजबूती मिली है। प्रदेश में 1000 नई डेयरी सहकारी समितियां गठित की गई है और 2000 नए संकलन केंद्र स्थापित किए गए हैं। सहकारी नेटवर्क से एक लाख से अधिक नए किसानों को जोड़ा गया है। इन पहलों ने न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाया, बल्कि छोटी मात्रा में दूध बेचने वाले पशुपालकों को भी सुरक्षित, पारदर्शी और लाभकारी प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया है।

राजस्थान पशुधन विविधता में देश का नेतृत्व करता है। देश का कुल 11.26 प्रतिशत पशुधन प्रतिशत राजस्थान में है। प्रदेश में प्रति वर्ग किलोमीटर 169 पशुओं का घनत्व बताता है कि पशुपालन यहां की आर्थिक संरचना का मजबूत आधार है। पशुपालन राज्य की सकल घरेलू आय में 8 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है और कई ग्रामीण परिवारों की 30-50 प्रतिशत आय का मुख्य स्त्रोत है।

राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और पशुपालकों के जीवन को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना मुख्य है। सहकारी समितियों को दूध बेचने पर किसानों को 5 प्रति लीटर की प्रत्यक्ष सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लाखों परिवारों की मासिक आय में स्थायी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशु की मृत्यु पर वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 42 लाख पशुओं को बीमा कवच देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशुधन निःशुल्क आरोग्य दवा योजना के तहत पशुओं की चिकित्सा पर आने वाला खर्च लगभग समाप्त हुआ है। इससे गरीब पशुपालकों को बड़ी राहत मिली है। पशु एम्बुलेंस मोबाइल वेटरनरी यूनिट (1962 सेवा) से अब तक 48 लाख पशुओं का घर पर इलाज किया जा चुका है। पशु नस्ल सुधार योजना के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान पर 75 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराने से उच्च उत्पादकता वाली नस्लें तैयार हो रही हैं।

डेयरी विकास के लिए 1000 करोड़ का कोष बनाया गया है। प्रदेश के 24 जिला दुग्ध संघों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक तकनीक से मजबूत करने का बड़ा कदम भी उठाया गया है।

राजस्थान सरकार ने ग्रामीण ऊर्जा मॉडल को बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ग्रामीण किसानों के घरों पर 10 हजार फ्लोटैक्सी बायो-गैस प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। इससे रसोई गैस पर खर्च कम हो रहा है और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। जैविक उर्वरक का उत्पादन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। राज्य की लगभग 35प्रतिशत ऊर्जा पशुधन पर आधारित है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है।

राजस्थान ने डेयरी क्षेत्र में जिस गति से प्रगति की है, वह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वासी बदलाव का परिचायक है। बढ़ती प्रसंस्करण क्षमता, सहकारिता का विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पशुधन स्वास्थ्य सेवाएँ और पारदर्शी नीतियाँ इस क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं। राजस्थान आज भारत के दुग्ध उत्पादन में केवल दूसरा स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ मजबूत दावेदार है। आने वाले वर्षों में यह प्रयास न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाएंगे, बल्कि ग्रामीण राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को नई ऊर्जा और नए अवसर प्रदान करेंगे।

–लालचंद कटारिया,
पूर्व कृषि मंत्री

गलवा बांध के गेट खोलकर सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा

'पानी की एक-एक बूंद का मितव्यता से उपयोग हो ताकि अनावश्यक पानी की बर्बादी ना हों'

टोंक, (निसं)। संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़, देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर एवं जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने शुक्रवार को विधिवत रुप से पूजा अर्चना कर गलवा बांध के गेट खोलकर सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा।

गलवा बांध से वर्ष 2025-26 में उपलब्ध पानी फसलों में पिलाई में दिये जाने के लिए गलवा बांध जल वितरण कमेटी की बैठक संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि उपज मण्डी उनियारा में आयोजित हुई। बैठक में जल वितरण कमेटी के सदस्यों एवं किसानों ने नहरों साफ-सफाई एवं अवैध रुप से किये गये अतिक्रमण को हटाने की मांग रखी। संभागीय आयुक्त ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता निरंजन मीना को नहरों की साफ-सफाई एवं हो रहे अतिक्रमण को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। साथ ही इस बात की सुनिश्चितता करने के लिए कहा कि नहर का पानी शीघ्र टेल तक पहुंचे। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि पानी की एक-एक बूंद का मितव्यता से ऊपयोग किया जाये ताकि अनावश्यक पानी की बर्बादी ना हों। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता निरंजन मीणा ने बताया कि वर्तमान में बांध में कुल 19 फिट 10 इंच पानी उपलब्ध है जो कि 47.05 मिलियन क्यूबिक फिट (1 हजार 661.56 मिलियन क्यूबिक फिट) है जो पूर्ण भराव क्षमता का 97.29 प्रतिशत है। वर्तमान में उपलब्ध पानी के दृष्टिगत सिंचित क्षेत्र के सभी काश्तकारों को सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सकता है।

संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़, विधायक राजेन्द्र गुर्जर एवं कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने गलवा बांध के गेट खोले।

जोधपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की आठ उड़ानें रद्द, यात्री परेशान हुये

जोधपुर से मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु और हैदराबाद रूट की फ्लाइट्स कैंसिल होने से यात्री परेशान हुये

- **यात्रियों ने एयरलाइन के काउंटर पर हंगामा भी किया और जानकारी मांगी कि अचानक उड़ानें क्यों रद्द की**
- **यात्रियों ने कहा कि अगर फ्लाइट नहीं उड़ानी थी तो पहले ही बता देते, यात्रियों को 8 दिसंबर तक फ्लाइट संचालन नहीं होने की जानकारी दी जा रही है**
- **एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि नई ड्यूटी टाइम नियमावली, विंटर सीजन में बढ़े एयर ट्रैफिक और कुछ एयरपोर्ट्स पर तकनीकी दिक्कतों ने स्थिति और बिगाड़ दी है**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइंस की 8 उड़ानें रद्द हो गई। इससे एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। जोधपुर से मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु और हैदराबाद रूट की फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद सैकड़ों यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी।

यात्रियों ने एयरलाइन के काउंटर पर हंगामा भी किया और जानकारी मांगी कि अचानक उड़ानें क्यों रद्द कर दी गईं। यात्रियों ने कहा कि अगर फ्लाइट नहीं उड़ानी थी तो पहले ही बता देते। यात्रियों को 8 दिसंबर तक फ्लाइट संचालन नहीं होने की जानकारी दी जा रही है। वहीं इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने से दूसरी एयरलाइन कंपनियों ने किराया बढ़ा दिया है। कई यात्री सुबह से एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार करते रहे, लेकिन घंटों बाद जब उड़ानें रद्द होने की जानकारी मिली तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। यात्रियों ने कहा कि उन्हें अंतिम समय पर कैंसिलेशन की सूचना दी गई। इससे उनकी आगे की योजनाएं पूरी तरह बिगड़ गई।

एक मेडिकल स्टूडेंट ने बताया कि सोमवार को पुणे में उसका एग्जाम है। इसके लिए जा रही थी। उन्हें 4 दिसंबर की फ्लाइट पहले दो बार डिले बताई गई। फिर शाम को कैंसिल कर दी गई। इसके बाद आज यानी 5 दिसंबर की फ्लाइट कन्फर्म बताई गई थी, लेकिन यहां पहुंची तो पता चला वो भी रद्द है। अब कहा जा रहा है कि 8 दिसंबर तक कोई फ्लाइट नहीं चलेगी। अगर उड़ान नहीं चलानी थी तो पहले ही बता देते। न कोई कॉल आया, न मैसेज। यहां पहुंचकर पता चला फ्लाइट रद्द है।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो चार दिनों से क्रू मेंबर की कमी का सामना कर रही है। इसके चलते कई रूटों पर फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित हो रहे हैं। एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि नई ड्यूटी टाइम नियमावली, विंटर सीजन में बढ़े एयर ट्रैफिक और कुछ एयरपोर्ट्स पर तकनीकी दिक्कतों ने स्थिति और बिगाड़ दी है। इधर इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने की वजह से दूसरी एयरलाइन कंपनियों ने अपना किराया बढ़ा दिया है, जिन्हें जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंचना है, उन्हें अब बढ़ा हुआ किराया चुकाना पड़ रहा है।

भिवाड़ी में ग्रेप उल्लंघन पर जुर्माना लगाया

- **35 साइटों का निरीक्षण किया, 11 स्थानों पर पाए गए उल्लंघन, चालान भी काटे**
- **बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान के पालन के लिए विभिन्न विभागों ने कार्रवाई की**

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान ग्रेप के प्रभावी पालन के लिए विभिन्न विभागों ने संयुक्त कार्रवाई की। जिला प्रशासन, नगर परिषद, बीड़ा, रीको, आरएसपीसीबी और पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों ने गुरुवार को देर शाम तक निरीक्षण किए। इन कार्रवाइयों के दौरान ग्रेप के उल्लंघन पर 69 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निर्माण एवं ध्वस्तीकरण गतिविधियों वाली साइटों पर कुल 35 निरीक्षण किए गए, जिनमें 11 स्थानों पर उल्लंघन पाए गए। इस दौरान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, नगर परिषद और रीको ने 11 चालान जारी कर जुर्माना वसूला।

नगर परिषद भिवाड़ी ने अवैध डंपिंग रोकने के लिए 4 निरीक्षण किए, जिसमें 2 चालान जारी कर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कचरा जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 7 निरीक्षण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 4 चालान और दो हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। परिवहन विभाग ने प्रदूषण फैलाने वाले 7 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए छ हजार रुपए के चालान काटे। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 63 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान मानकों का पालन न करने वाले एक डीजी सेट को सील कर दिया गया।

सड़क पर धूल कम करने के प्रयासों के तहत, रीको, बीड़ा, नगर परिषद और हाउसिंग बोर्ड विभागों ने 19 टैंकर और वॉटर स्प्रिंकलर तैनात किए। इसके अतिरिक्त, 4 एमआरएसएम मशीनें भी लगाई गईं, जिनके माध्यम से कुल 66.5 किलोमीटर सड़क मार्ग की सफाई की गई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 6 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र प्रातः 8:49 तक, शुभ योग रात्रि 11:46 तक, तैतिल करण दिन 11:11 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज द्विपुष्कर योग सूर्योदय से प्रातः 8:49 तक है। बुध वृश्चिक में रात्रि 8:29 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:24 से 9:42 तक, चर 12:18 से 1:36 तक, लाभ-अमृत 1:36 से 4:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।